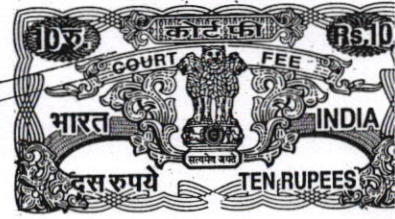


न्यायालय श्रीमान् पीठासीन न्यायाधीश राजस्व मण्डल ग्वालियर, सर्किट कोर्ट  
रीवा (म०प्र०)



R- 4225-11/12

G.F. Rs. 20/-

रामकृपाल कोरी तनय श्री समोधी कोरी, निवासी ग्राम लेडुआ, तहसील रायपुर कर्चु०  
जिला रीवा (म०प्र०) .....निगरानीकर्ता

बनाम

1. शांती पत्नी रामदुलारे कोरी, उम्र- 69 साल
2. सम्पति कोरी तनय रामदुलारे कोरी,

दोनों निवासी ग्राम- लेंडुआ, ग्राम पंचायत गोरगांव 165, तह० रायपुर कर्चु०

जिला रीवा (म०प्र०)

.....गैर निगरानीकर्ता

निगरानी विरुद्ध आदेश न्यायालय श्रीमान् अपर  
आयुक्त महोदय रीवा संभाग रीवा (म०प्र०) राजस्व  
प्रकरण क्र० 178/अपील/08-09 आदेश दिनांक  
07.11.2012

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र०भू-राजस्व संहिता  
1959 ई०

अधिवक्ता श्री सत्पते  
दुधे डारा उलुता  
रीवा, दि० 20-11-12  
[Signature]

क०  
10-12-12 मान्यवर,

निगरानी के संक्षिप्त तथ्य :-

निगरानी का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि भूमि नं० 26 रकवा 0.18  
ए० एवं भूमि नं० 30 रकवा 0.10 ए० स्थित ग्राम लेडुआ, ज०नं० 573, तह० रायपुर  
कर्चु० जिला रीवा (म०प्र०) निगरानीकर्ता की स्वअर्जित सम्पत्ति है जिसको वह अपने  
पिता समोधी कोरी से खउहईनामा दिनांक 29.03.84 के आधार पर प्राप्त किया था,  
जिसका एकमात्र स्वत्व, आधिपत्यधारी निगरानीकर्ता के रहते हुये ग्राम पंचायत  
गोरगांव-165 द्वारा प्रस्ताव क्र०-6 आदेश दिनांक 17.07.2000 के माध्यम से बंटवारा  
आदेश पारित कर उक्त आराजी का 1/2 हिस्सा निगरानीकर्ता व 1/2 हिस्सा  
गैरनिगरानी कर्तागण के पक्ष में कर दिया। जिसकी अपील निगरानीकर्ता द्वारा  
न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी रायपुर कर्चु० के न्यायालय में करने पर अनुविभागीय  
अधिकारी रायपुर कर्चु० द्वारा प्र०क्र० 98/अ-6/03-04 आदेश दिनांक 15.01.09 के  
माध्यम से ग्राम पंचायत के आदेश दिनांक 17.07.2000 को निरस्त कर दिया जिसकी

M ✓

R-4225-II/12 शीर्ष

27/10/16

शाब्दिक अर्थवत्ता एवं शाब्दिक की-  
शब्दों से कोई उपस्थान नहीं। उपस्थान  
नहीं होने के कारण प्रयोग में उपस्थान  
होने के लिए प्रथम. प्रथम शाब्दिक अर्थ  
वर्ष की उपस्थान। प्रयोग में उपस्थान  
नहीं होने के कारण शाब्दिक अर्थवत्ता  
विद्यमान है।

सत्य